

'लाल सलाम' के नारे के साथ माकपा नेता सुभाष मुंडा को दी गयी अंतिम विदाई

गम और गुरसे के बीच किया गया अंतिम संस्कार

बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों के नेता हुए शमिल माकपा ने तीन दिन तक शोक जगाने का किया एलाज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। माकपा नेता सुभाष मुंडा को गुरुवार को गम और गुरसे के बीच 'लाल सलाम' के नारे के साथ अंतिम विदाई दी गयी। उनके सम्मान में अमले तीन दिनों तक पूरे राज्य के माकपा कार्यालयों में लाल झंडा ढाका रहेगा। माकपा की राज्य कमिटी के सदस्य सुभाष मुंडा के पार्थिव शरीर को दलादली चौक ले जाया गया। वहाँ हजारों की सर्खामें लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अंतिम विदाई के बाद महिलाओं की आंखें नम थीं। वहाँ युवा स्तब्ध थे। करीब 12 बजे सुभाष मुंडा के पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान ले जाया गया। इसके बाद दोहरा दो बजे सुभाष मुंडा की शववात्रा सात बजे पार्टी के मेन रोड रित्त शरीर कार्यालय ले जाया गया। शववात्रा में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके बाद सुभाष मुंडा का अंतिम संस्कार किया गया। इस मैटे पर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, भाकपा (माले) के विधायक विनोद सिंह, हटिया के विधायक नवीन जयसवाल समेत वाम दलों और अन्य राजनीतिक पार्टियों के कई नेता सुभाष मुंडा को श्रद्धांजलि देने के लिए उपरिक्षित रहे।

गोपीकांत बख्ती सहित पार्टी के सदस्यों ने सुभाष मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

निवास स्थान से निकली शववात्रा

पार्टी कार्यालय से सुभाष मुंडा के पार्थिव शरीर को दलादली चौक ले जाया गया। वहाँ हजारों की सर्खामें लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अंतिम विदाई दी गयी। उनके सम्मान में अमले तीन दिनों तक पूरे राज्य के माकपा कार्यालयों में लाल झंडा ढाका रहेगा। माकपा की राज्य कमिटी के सदस्य सुभाष मुंडा को सदस्य सुभाष मुंडा के पार्थिव शरीर को सुबह बजे तक पार्टी के मेन रोड रित्त शरीर कार्यालय ले जाया गया। शववात्रा में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके बाद सुभाष मुंडा का अंतिम संस्कार किया गया। इस मैटे पर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, भाकपा (माले) के विधायक विनोद सिंह, हटिया के विधायक नवीन जयसवाल समेत वाम दलों और अन्य राजनीतिक पार्टियों के कई नेता सुभाष मुंडा को श्रद्धांजलि देने के लिए उपरिक्षित रहे।

कौन थे सुभाष मुंडा

सुभाष मुंडा के दादाजी सुकरा मुंडा

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हत्याकांड को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर तंज करता है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री एक और विधि-व्यवस्था को लेकर बैठक करते हैं, पुलिस अधिकारियों को चेतावनी देते हैं। दूसरी ओर राजधानी रांची में माकपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके सुभाष मुंडा की सराइम गोली मार कर हत्या कर दी जाती है। सरेआम की गयी यह राजधानी रांची और पूरे झारखण्ड की विधि-व्यवस्था की असलियत है। जब तक सूसख्यों द्वारा उन्हें विधिवाली नहीं की जायेगी, तब तक विधि-व्यवस्था नहीं सुधरेगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि अधिकारियों का व्याप्त अवैध खनन पर है। अधिकारी अपने राजनीतिक आकांक्षों के गलत और पूर्वाग्रहपूर्ण हुम की तामील करते हैं। ऐसे में विधि-व्यवस्था को सुधारें। उन्होंने अशका जाहिर करते कहा कि जिस प्रकार से घटना को अंजाम दिया गया है, वह कोई प्रेशर अपराधी ही कर सकता है। ऐसे में पुलिस और प्रशासन को उन पर कही करवाई करनी होगी। उन्होंने कहा कि दुखियों स्थिति यह ही है कि सरकारी नौकरी, बिजनेस या किसी फैल्ड में आग बढ़ रहे जनजाति समाज के लोग अपराधियों को विशेषण पर आ रहे हैं। यह गंभीर विषय है। काफी निराशाजगत तरीके हैं। इस पर रोक लगनी चाहिए।

48 घंटे में अपराधियों को पकड़ने का दिया अल्टीमेटम

मरांडी ने कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री का ठंभे भरने वाले हेमंत सोरेन की सरकार में राज्य का आदिवासी असुरक्षित है। आये दिन राज्य के होनहार आदिवासी युक्त युवतियों की हत्या हो रही है। इस सरकार की शुरुआती ही आदिवासीयों को हत्या से हुई है। आये दिन आदिवासी बहन-बेटियों के साथ दुष्कर्म हो रहा है, उनकी हत्या हो रही है। जिस शतिराना अंदर में सुभाष मुंडा की हत्या की गयी है, उसकी जांच तत्काल शुरू की जाये। पुलिस को तुरंत एकशन में आकर अपराधी को पकड़ना चाहिए। उन्होंने घटना में सालिस अपराधियों को 48 घंटे के भीतर पकड़ने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस स्व सुभाष मुंडा मोबाइल कॉल डिल अपराधियों तक पहुंचने में सहायता हो सकता है। इसलिए पुलिस को इस पर गंभीर दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में स्व सुभाष मुंडा से पहले होनहार दारोगा रूपांश की जांच करनी चाहिए। मरांडी ने कहा कि दुर्दार्त अपराधी जैल से ही अपने गुरुओं को दिखाने दिनेश दे रहे हैं। इसलिए ऐसे जैल में बढ़ अपराधियों को भी राज्य सरकार बाहर भेजें।

इंटू-विंट के इशारे पर हो रही ट्रांसफर-पोस्टिंग

सोशल मीडिया के जरिये भी बाबूलाल मरांडी ने सुभाष मुंडा की हत्या को लेकर सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि रांची महानगर में आये दिन आदिवासीयों की जमीनों पर अवैध कब्जे की खबरें आती हैं। आदिवासी उत्तीन के सैकड़ों मामले आते रहते हैं। कल भी एक आदिवासी नेता की हत्या कर दी गयी। पूरे रांची महानगर में थाना प्रभारी बनाने के लिए सीएम भी आदिवासी ऑफिसर नहीं मिला। यह पर आदिवासी पुलिस ऑफिसर अपके सीएम हाउस कमांड पेड ट्रांसफर-पोस्टिंग सिस्टम के शिकायत हैं। बाबूलाल के मुताबिक जब राजधानी रांची की पुलिस व्यवस्था और सिपाही, दारोगा से लेकर ऊपर तक की ट्रांसफर-पोस्टिंग का धंया इंटू-विंट जैसे अयोग्य और अज्ञानी लोगों के डायरेक्शन पर चलेगा, उग्रवादियों की तरह सत्ताधारी लोग असामाजिक तर्ता, अपराधियों से लेनी-चंदा लेंगे, तो अपराध आखिर कैसे स्केप?

सुभाष मुंडा के परिजनों को ढाढ़स बंधाया

इससे पहले बाबूलाल मरांडी मारे गये माकपा नेता सुभाष मुंडा के आवास पर पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवंगत नेता के परिजनों से मिल कर उन्हें ढाढ़स बंधाया।

हाइकोर्ट के रिटायर जज से करायी जाये जांच : राजेंद्र प्रसाद

मूलगारी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने सुभाष मुंडा हत्याकांड की कई भर्त्ताओं की मांग की। साथ ही सरकार से इस हत्याकांड के गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि झारखण्ड के लिए अच्छी साच रखनेवाले समाजसेवियों की साजिश के तहत हत्या कर दी जा रही है। व्यवस्था से जड़े लोगों का भी यही हाल है। पुलिस के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सरकार को खुली छूट देनी चाहिए।



अक्षमता के कारण झारखण्ड में अराजकता की स्थिति : रघुवर

भाजपा के उपाध्यक्ष रघुवर दास ने भी टीवी कर हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, राजधानी रांची में एक बार पिर अपराधियों ने सरकार को खुली चुनौती दी है। इनकी दिमत इन्हीं वहाँ बढ़ जाएगी है। अपिक्रिस में घुस कर आदिवासी नेता को गोलियों से भून दिया। हेमंत सरकार की अक्षमता के कारण आज राज्य में अराजकता की स्थिति बन गयी है। मुख्यमंत्री जी को राज्य की नहीं, केवल राजनीति की दित है। अपने प्रतिद्वंद्यों को झूटे केस में कैसे फंसाया जाये, राजनीतिक लाभ के लिए लोगों से बोका-बोका जाये, पैसे को वसूली कैसे हो, इन्हीं चीजों में यह सरकार लिस है, तो अपराधी बेलगम तर्ह नहीं होंगे।



वन है
तो जीवन है
74वां वन महोत्सव, 2023



मुख्य अतिथि

श्री हेमंत सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्रीमती महामाता माजी

माननीय सदस्य, राज्यसभा

श्री संजय सेठ

माननीय सांसद, लोकसभा रांची

गरिमामयी उपस्थिति

श्री राजेश कच्छप

माननीय विधायक, खिजड़ी विधानसभा

दिनांक - 28.07.2023 | समय - अपराह्न 01:00 बजे

स्थान - ट्रेनिंग ग्राउंड, खोजाटोली (कुटियातु चौक)

नामक्रम, र

संपादकीय

अविश्वास प्रस्ताव क्यों

मेरुपुर की घटनाओं पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में सता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहा गतिरोध अखिल सरकार के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव की बजह बन गया। दिलचस्प है कि सता पक्ष और विपक्ष दोनों मणिपुर पर चर्चा चाहते हैं, परिं भी चर्चा नहीं हो आ रही और मॉनसुन सत्र का एक-एक दिन हाँसे की भेट चढ़ता जा रहा है। गतिरोध की जड़ में है, यह सवाल कि किस नियम के तहत चर्चा होती है, हालांकि सबका सहमति से की अवधि को कुछ बढ़ाया जा सकता है। मगर यह बदृपूर्ण अवधि भी विपक्ष को कम लग रही है। वह चाहता है कि सभी कामकाज समर्पित कर मणिपुर पर विस्तार से चर्चा हो। दूसरी ओर, विपक्ष ने अपने इस कदम से ज्यादा उम्मीद ही नहीं पाली है।

प्रधानमंत्री ने कह मी दिया है कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाना चाहता है, तो लाने दीजिए, उसे इसके कुछ हासिल नहीं होगा। दूसरी ओर, विपक्ष ने अपने इस कदम से ज्यादा उम्मीद ही नहीं पाली है।

ओर जाने की थोड़ी-बहुत संभावना अभी भी हुई है, उनमें से भी कुछ दल अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार का समर्थन करते दिख जायें। प्रधानमंत्री ने कह भी दिया है कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाना चाहता है, तो लाने दीजिए, उसे इसके कुछ हासिल नहीं होगा। सदन में सरकार को पूर्ण बहुमत हासिल है, ही अमर उसे जो लगाया तो ही सकता है जिन दलों के विपक्षी गठबंधन की

परिणाम अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस के रूप में हुई है। सवाल है कि इस अविश्वास प्रस्ताव से अखिल विपक्ष को क्या मिल जायेगा। सदन में सरकार को पूर्ण बहुमत हासिल है, ही अमर उसे जो लगाया तो ही सकता है जिन दलों की विपक्षी गठबंधन की

बद्धता नदियों में गंगा-यमुना ने नियम कर उत्तर प्रदेश में खूब हलचल मचायी।

महफूज रह पाये? बरसाती नदियों में गंगा-यमुना ने मिल कर उत्तर प्रदेश में खूब हलचल मचायी। सतलुज, रावी, ब्यास जलस्तर खतरे का निशान पार करने हेतु लालायित हैं। पूरे 30 वर्ष

जमशेदपुर की खबरें

विधायक की पहल पर पांच बच्चियों का एबीएम कॉलेज में हुआ दाखिला युवाओं को पैरों पर खड़ा करना उद्देश्य : कालिंदी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के जुगलालाइ विधान सभा क्षेत्र में युवाओं को शिक्षित करने को लेकर विधायक मंगल कलिंदी काफी गंभीर है। विधायक ने मुहूर चला कर आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवार के बच्चियों को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए प्रयासरत है। ताकि बच्चिया पढ़ लिख कर अपने पैरों पर खड़ा हो सके।

गुरुवार को जुगलालाइ विधायक श्री कलिंदी ने पांच बच्चियों का दाखिला निजी खर्च से एबीएम कॉलेज में करवाया।

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के जुगलालाइ विधान सभा के सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के विधायक नेता व अमरजीत सिंह राजा, अशोक सामंत, तेजेंद्र बाबूलाल मरांडी से शिराचार भेट सिंह, ओकार सिंह, बिनोद गुप्ता, भाजपा प्रदेश अव्यक्ति को अंगस्त्र रोशन सिंह, बंटी सिंह शामिल रहे।

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के जुगलालाइ विधान सभा के सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के विधायक नेता व अमरजीत सिंह राजा, अशोक सामंत, तेजेंद्र बाबूलाल मरांडी से शिराचार भेट सिंह, ओकार सिंह, बिनोद गुप्ता, भाजपा प्रदेश अव्यक्ति को अंगस्त्र

वापरु युथ कांग्रेस ने जुको के प्रबंधक से मुख्य सदक पर बैरिकेटिंग व फुटओवर ब्रिज निर्माण की रखी मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के

ગુમલા

વિરોધ પ્રદર્શન : કેઓ કાલેજ મેં ઇંટર કી પઢાઈ શુરૂ નહીં કરને કે નિર્ણય પર છાત્ર સંગઠનોને જતાયા આક્રોશ

કાલેજ મેં તાલાબંદી કર છુહ ઘંટે તક એનાચ કિયા જામ

કુલપતિ ને હઙે હળાએ
વિવેક સે નિર્ણય લેને કી
ગત કહી હૈ, જિસ પર હળને
ઇંટર કી પઢાઈ શુરૂ નહીં
કા નિર્ણય લિયા હૈ : પ્રાગાર્ય
આજાદ સિપાહી સંવાદદાતા

ગુમલા । કાર્યક્રમ ઉત્તરાંચ મહાવિદ્યાલય ગુમલા મેં ઇંટર કી પઢાઈ શુરૂ નહીં કરને કે ફેનેલે સે
અક્રોશિત સભી છાત્ર સંગઠનોને
ગુરુવાર કો કાલેજ મેં તાલાબંદી
કી ઔર લગભગ છહ ઘંટે તક
એનાચ કો જામ કર દિયા । છાત્ર
ધૂ-બારિસ કે બાવાદૂસ સડક પર
બેઠ કર અપની માર્ગાં કો લેકે



સાવન ઉત્સવ મેલા મેં ગૌરી સરકસ કા ઉદ્ઘાટન



બસિયા (આજાદ સિપાહી) । પ્રખંડ કે કોનોબાર એનાચ્ચારીસી મૈદાન મેં
બુધવાર શાળ કો સાવન ઉત્સવ મેલા મેં લગે ગૌરી સરકસ કા ઉદ્ઘાટન
પોતા કાટકર જિપ સદસ્ય બસર્ટી ડુંગાંગ, મુખ્યિયા અમૃતા દેવી, પ્રમુખ
જગતાની તિયા દ્વારા સંયુક્ત રૂપ કિયા ગયા । જિપ સદસ્ય બસર્ટી ડુંગાંગ
દ્વારા મેલા મેં લગે સરકસ એવં અન્ય ખેલોને કે કલાકારોને એવં મેલા સંચાલક
જાહિદ ખાન કો શુભકામનાં દી ગંભીર । સાવન ઉત્સવ મેલા મેં ગૌરી સરકસ,
ડ્રેગન ટ્રેન, બ્રેક ડાંસ, કોલાંબસ ઝૂલ્ટા, મીના બાજાર આવિ લગે હુએ હૈ । યથ
મેલા 15 અગસ્ટ તક ચલેણા । ઉદ્ઘાટન કે ઉપરાંત સરકસ કે કલાકારોને
દ્વારા રોમાંચક ખેલ કો પ્રદર્શન દિયા ગયા । સંચાલક જાહિદ ખાન ને
બતાયા કે ગુરુવાર સે સરકસ દિને કે 1 બજે, 4 બજે એવં 7 બજે સે
દિયાયા । ઇસ મેલે પર કિશન સાહ, રામાંશક પાંદેય, મુખ્યિયા
નાગ, રાજકુમાર સિંહ, સમેત અનેક ગણ્યમાન્ય ઉપરિષઠ થે ।

કેવીકે ગુમલા ને સૂખે કી સ્થિતિ મેં વૈકલ્પિક કૃષિ પર દિયા પ્રશિક્ષણ



બિશુનુપર (આજાદ સિપાહી) । કૃષિ વિજ્ઞાન કેંદ્ર ગુમલા વિકાસ ભારતી
વિશુનુપર કે દ્વારા ગુરુવાર કો સૂખે કી સ્થિતિ મેં વૈકલ્પિક કૃષિ પર એક
દિવસીં પ્રશિક્ષણ કા આયોજન એવં પ્રધાનમંત્રી નરેંદ્ર મોદી કે દ્વારા 14
કિસ્ર કે રૂપ મેં પીએમ કિસાન સમાન નિધિ કો રાજ્યસથાન કે સીકર સે
લાંબ પ્રધાનમાંની નરેંદ્ર મોદી ને 14 કિસ્ર કે રૂપ મેં 17500 કોરેડ રૂપ્યે
કો બટન પરિસર નિર્ગત હૈ । જિસની ઉદ્દેશ્ય કિસાન ખાવ એવી બીજી કે
રૂપ મેં ઉત્યોગ કર સકતે હૈ । જિસની કી આધીક્ષ સ્થિતિ સુદૂર હો સકતી હૈ । સાથ
હી સાથ ઉન્હોને 125000 કિસાન સમફિડ કેંદ્ર કી પી
શુરૂઆત કી । ઇસ કાર્યક્રમ કે અંતર્ગત ગુમલા જિલે કો કિસાન લોલાવતી
કો પ્રધાનમંત્રી કે સાથ સીધા સંવાદ કે લિએ ચુના ગયા થા । ઇસ કાર્યક્રમ
મેં મહેંદ્ર ભગત, સંયુક્ત સચિવ વિકાસ ભારતી ને કિસાનોને સંબેધિત
કરતે હુએ કહા કે આજ ઇસ પરિષઠિત મેં હુંમે વૈકલ્પિક કૃષિ કો તરફ
બંદના હોણા । જિસને હુંમે ગેંડાની મદૂરીએ કો સાથ-સાથ મોંને
અનાજ કી ખેતી કો બદ્ધાવ દેના હોણા । ઉન્હોને કહા કે લિએ ચારા
કી વ્યવસ્થા કરના બદૂત આવશ્યક હૈ । જિસને લેણે હુંમે પેણું પ્રશુદ્ધ
શુરૂ કર દેણી ચાહેણ । ડૉ. સંયુક્ત કુમાર ને બતાયા કે જિસ પ્રકાર દુંગાંગ
પ્રખંડ ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ સે ઇસ તકીની
કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ
સે ઇસ સુખે કી સ્થિતિ મેં ભી ધાન કી ખેતી કર સકતે હૈ । સાથ
હી સાથ હુંમે દિનોને મેં જાળ સંચાલન કરતે હુંમે એવી બીજી
કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ
સે ઇસ સુખે કી સ્થિતિ મેં ભી ધાન કી ખેતી કર સકતે હૈ । સાથ
હી સાથ હુંમે એવી બીજી કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી
શુરૂઆત કી । ઇસ કાર્યક્રમ મેં અંગે બદૂરી કો સાથ-સાથ મોંને
અનાજ કી ખેતી કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની
કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ
સે ઇસ સુખે કી સ્થિતિ મેં ભી ધાન કી ખેતી કર સકતે હૈ । સાથ
હી સાથ હુંમે એવી બીજી કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી
શુરૂઆત કી । ઇસ કાર્યક્રમ મેં અંગે બદૂરી કો સાથ-સાથ મોંને
અનાજ કી ખેતી કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની
કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ
સે ઇસ સુખે કી સ્થિતિ મેં ભી ધાન કી ખેતી કર સકતે હૈ । સાથ
હી સાથ હુંમે એવી બીજી કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી
શુરૂઆત કી । ઇસ કાર્યક્રમ મેં અંગે બદૂરી કો સાથ-સાથ મોંને
અનાજ કી ખેતી કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની
કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ
સે ઇસ સુખે કી સ્થિતિ મેં ભી ધાન કી ખેતી કર સકતે હૈ । સાથ
હી સાથ હુંમે એવી બીજી કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી
શુરૂઆત કી । ઇસ કાર્યક્રમ મેં અંગે બદૂરી કો સાથ-સાથ મોંને
અનાજ કી ખેતી કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની
કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ
સે ઇસ સુખે કી સ્થિતિ મેં ભી ધાન કી ખેતી કર સકતે હૈ । સાથ
હી સાથ હુંમે એવી બીજી કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી
શુરૂઆત કી । ઇસ કાર્યક્રમ મેં અંગે બદૂરી કો સાથ-સાથ મોંને
અનાજ કી ખેતી કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની
કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ
સે ઇસ સુખે કી સ્થિતિ મેં ભી ધાન કી ખેતી કર સકતે હૈ । સાથ
હી સાથ હુંમે એવી બીજી કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી
શુરૂઆત કી । ઇસ કાર્યક્રમ મેં અંગે બદૂરી કો સાથ-સાથ મોંને
અનાજ કી ખેતી કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની
કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ
સે ઇસ સુખે કી સ્થિતિ મેં ભી ધાન કી ખેતી કર સકતે હૈ । સાથ
હી સાથ હુંમે એવી બીજી કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી
શુરૂઆત કી । ઇસ કાર્યક્રમ મેં અંગે બદૂરી કો સાથ-સાથ મોંને
અનાજ કી ખેતી કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની
કૃષિ કો આવશ્યકતા હોય । ક્રેટર કે કિસાન ભી ઇસ તકીની કે માધ્યમ
સે ઇસ સુખે કી સ્થિતિ મેં ભી ધાન કી ખેતી કર સકતે હૈ । સાથ
હી સાથ હુંમે

